भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 3601**

(जिसका उत्तर 27 मार्च, 2018/6 चैत्र, 1940 (शक) को दिया जाना है)

**मुद्रा योजना के अधीन नौकरी के अवसरों का सृजन**

3601. श्री देवेंदर गौड टी॰

 क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि दो वर्ष से थोड़ा ज्यादा समय में ‘मुद्रा’ ने देश में 5.5 करोड़ नौकरी

 के अवसरों का सृजन किया है;

(ख) यदि हां, तो दिये गये मुद्रा ऋणों और क्षेत्र-वार सृजित नौकरियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि ‘स्कॉच’ ग्रुप ने एक विस्तृत अध्ययन करवाया है जिससे उक्त सूचना का खुलासा हुआ है;

(घ) यदि हां, तो अपनायी गयी प्रक्रिया और स्कॉच द्वारा तैयार डेटा का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या मुद्रा के अधीन कोई एन॰पी॰ए॰ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव प्रताप शुक्‍ल)**

**(क)** और (ख): योजना को आरंभ किए जाने से लेकर दिनांक 16.03.2018 तक की स्थिति के अनुसार, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 5.26 लाख करोड़ रूपए से अधिक राशि के 11.65 करोड़ से अधिक ऋणों की मंजूरी दी गई है। पीएमएमवाई योजना के तहत सृजित नौकरियों से संबंधित आंकड़े केंद्रीय स्‍तर पर नहीं रखे जाते हैं।

**(ग)** और (घ): ‘स्कॉच’ समूह द्वारा किए गए अध्‍ययन के अनुसार, पीएमएमवाई द्वारा दो वर्ष में 5.5 करोड़ नौकरियों का सृजन करने का आकलन किया गया है। इस संबंध में ‘स्कॉच’ समूह द्वारा मुद्रा लिमिटेड को उपलब्‍ध कराए गए विश्‍लेषण एवं प्रस्‍तुतीकरण पीएमएमवाई के तहत सृजित नौकरियों के संबंध में सरकारी क्षेत्र के कतिपय बैंकों (पीएसबी) से स्कॉच द्वारा पता लगाए गए आंकड़ों पर आधारित है, जिसका उपयोग तत्‍पश्‍चात औसत निकालने एवं बहिर्वेशन की सांख्यिकीय पद्धति के आधार पर राष्‍ट्रव्‍यापी आंकड़े प्राप्‍त करने के लिए किया गया है।

(ड.): बैंकों तथा अन्‍य उधारदात्री संस्‍थाओं का वित्तीय संस्‍थाओं द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, योजना को आरंभ किए जाने से लेकर दिनांक 29.09.2017 तक की स्थिति के अनुसार, 14.34 लाख खाते अनर्जक आस्ति (एनपीए) बन गए हैं।

\*\*\*